



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 148]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 27, 1987/चैत्र 6, 1909

No. 148]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 27, 1987/CHAITRA 6, 1909

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1987

अधिसूचना

सं. 140/87—सीमा शुल्क

सा. का. नि. 331(अ) —केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 2/1986—सीमाशुल्क सारोख 1 जनवरी, 1986 को अधिकांत करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक-हित में ऐसा करना आवश्यक है, ऐसे माल को, जब उनका उत्पादों के (जिन्हें इसमें हमके पश्चात् अंतिम उत्पाद कहा गया है) विनिर्माण और अंतिम उत्पाद के विनिर्माण में प्रयुक्त माल की पुनर्पूर्ति के प्रयोजन के लिए, या स्फोर के लिए और आयात-निर्यात पास बुक स्कीम के अनुसार एक या अधिक निर्यात आदेशों के निष्पादन के लिए, अंतिम उत्पादों के साथ-साथ आयातक अतिरिक्त उत्पाद के रूप में भारत के बाहर निर्यात के लिए, भारत में सीधे आयात किया जाए/या निर्मोचन आदेश के आधार पर

प्राप्त किया जाए, उस पर उद्घटनीय समस्त सीमा शुल्क से, जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पन्नी अनुसूची में विनि-  
दित है, और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन  
\* उस उद्घटनीय समस्त अतिरिक्त उत्पादशुल्क से विनिर्दिष्ट शर्तों के  
अधीन रहने हुए छूट देनी है, अर्थात् :—

(क) आयातकर्ता को, उक्त स्कीम या उक्त आयात-निर्यात पास बुक और निर्मोचन आदेश, दोनों के अधीन, यथास्थिति, आयात या निर्यात प्रयोजन के लिए अतिरिक्त माल के निर्मोचन के लिए, आवश्यक आयात-निर्यात पास बुक (जिनमें आयात अनुज्ञप्ति सम्मिलित है) दे दिया गया है;

(ख) उक्त आयातित माल, जहां तक उसके मूल्य और वजन (तक-  
नोही विवेचनाओं सहित, यदि कोई है) का संबंध है, उक्त आयात-निर्यात  
पास बुक में सम्मिलित आयात अनुज्ञप्ति या अनुज्ञप्ति के संलग्नकों में  
विनिर्दिष्ट है या उनके अन्तर्गत आता है या उक्त आयातित माल निर्मोचन  
आदेश है या उसके अन्तर्गत आता है,

(ग) आयातकर्ता उक्त आयातित माल की निकासी के समय सीमा-शुल्क  
महायुक्त कलक्टर के समक्ष उक्त आयात-निर्यात पास बुक और, यदि आवश्यक

है, ता, निर्यात आदेश भी, प्रस्तुत करता है, और आयातकर्ता—

- (1) सीमाशुल्क कलक्टर के समक्ष ऐसी छूट के लिए लिखित रूप में दावा करना है, और
- (II) सीमा शुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष यह साक्ष्य प्रस्तुत करता है कि उक्त स्कीम के अधीन अनेकित यथास्थिति बैंक प्रत्याभूति के साथ बंधन या विधिक करार उम्मे निष्पादित कर दिया है और
- (III) वे प्रश्न में और उक्त स्कीम के लिए जो सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, स्वयं का आबद्ध करने हुए यह प्राप्ति करता है कि वह उक्त ऐसे आयातित माल की बाबत जिसके संबंध में सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर का यह समाधान नहीं हो जाता कि उमका प्रयोग उपर्युक्त प्रयोजन के लिए किया गया है, उक्त शुल्क के समतुल्य रकम का, मांग किए जाने पर, संशय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट के न होने की दशा में आयातित माल पर उद्घोषित किया जाता,

(घ) उक्त आयातित माल, सीमा-शुल्क से निकासी के पश्चात् आयात किए जाने के लिए अंतिम उत्पादों के विनिर्माण के कारखाने को सीधे ले जाया जाता है और आयातकर्ता द्वारा विनिर्माता के रूप में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन रखे जाने के लिए अपेक्षित अभिलेखा में सम्यक् रूप से और सुरक्षित दर्ज किया जाता है सिवाय तब जब आयातकर्ता का ऐसा अभिलेख रखने से छूट दी गई हो,

“परन्तु यह कि जहाँ आयातकर्ता विनिर्माता न होकर निर्यात/आयात मंडल (हाउस) है, वहाँ आयात के पश्चात् माल ऐसे समर्थक विनिर्माता को अंतरित किए जाते हैं जिनका नाम अंतिम उत्पादों के विनिर्माण के लिए सुवर्ण आयात निर्यात पास बुक में दर्ज है और ऐसे आयातकर्ता द्वारा ऐसे आयातित और समर्थक विनिर्माता को अंतरित माल के लिए पूरा लेखा रखा जाता है।

(ङ) उक्त आयात-निर्यात पास बुक में विनिर्दिष्ट अंतिम उत्पाद और आयातक अभिरिक्त के रूप में उक्त आयात निर्यात पास बुक विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर जो आयात और निर्यात मुख्य नियंत्रक के कार्यालय के निर्धार आयुक्त द्वारा अनुज्ञा की जाए भारत के बाहर निर्यात किए जाते हैं,

(च) उक्त आयातित माल का प्रयोग इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा,

(छ) उक्त आयातित माल या उसके किसी भाग का विक्रय नहीं किया जाएगा या उसे उधार नहीं दिया जाएगा या किसी अन्य व्यक्ति को अन्यथा अंतरित नहीं दिया जाएगा या आयात और निर्यात मुख्य नियंत्रक की लिखित पूर्ण अनुज्ञा के बिना किसी अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग में नहीं लाया जाएगा या उपयोग में लाने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी या निष्पादित नहीं किया जाएगा,

(ज) उक्त माल का आयात केवल कांठला या बन्कसा या मुम्बई या कोचीन या मद्रास या विशाखापत्तनम के सीमाशुल्क पत्तन से होकर या केवल कलकत्ता या मुम्बई या दिल्ली या मद्रास या बंगलूर व सीमा-शुल्क विमान पत्तन से होकर या केवल नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित या बंगलूर स्थित बंगलूर ठावनी रेल स्टेशन स्थित अन्तर्देशीय कंटेनर डिपो से होकर किया जाएगा, तथा अंतिम उत्पादों का भारत के बाहर निर्यात केवल उक्त सीमा-शुल्क पत्तनों, सीमा-शुल्क विमान पत्तनों या अन्तर्देशीय कंटेनर डिपो से होकर किया जाएगा।

(झ) पुनर्पूति के लिए माल को उस दशा में अनुज्ञात किया जाएगा, जहाँ उक्त आयात-निर्यात पास बुक का धारक उक्त पास बुक के अधीन आयात करने के लिए योग्य होने के पूर्व परिधान समय सूची के अनुसार अंतिम उत्पाद का निर्यात इस शर्त के अधीन रहते हुए करता है कि ऐसी पुनर्पूति उतनी ही अनुज्ञात है जितनी आयात निर्यात पास बुक के अधीन प्रथम आयात की तारीख में पहले निर्यात किए गए अंतिम उत्पाद के विनिर्माण में सामग्रियों का प्रयोग किया गया हो,

परन्तु यह कि जहाँ ऐसे माल का आयात निर्यात किए गए परिणामी उत्पादों के विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों की पुनर्पूति के लिए किया जाता है, वहाँ उक्त पास बुक का धारक ऐसा निर्यातकर्ता है, जो विनिर्माता भी है वास्तविक प्रयोगी शर्तों के अधीन रहते हुए, किसी भाग के उत्पादन के लिए पुनर्पूति सामग्रियों का उपयोग कर सकता है।

परन्तु यह और कि अनुज्ञाति प्राधिकारी उक्त पास बुक धारक है, जो निर्यातकर्ता है किन्तु विनिर्माता नहीं है, इस अनुरोध पर विचार कर सकता है कि पुनर्पूति सामग्रियों उतगई लागत पर ऐसे संबंधित समर्थक विनिर्माता को, जिसका नाम उक्त आयात निर्यात पास बुक में दर्ज है, वास्तविक प्रयोग शर्तों के अधीन रहते हुए किसी माल के उत्पादन के लिए अंतरित की जाए,

परन्तु यह भी कि पुनर्पूति के रूप में आयात किए गए माल का किसी अन्य रति से न तो विक्रय किया जाएगा और न तो व्ययन किया जाएगा और उक्त आयात-निर्यात पास बुक का धारक ऐसे माल के आयात और उनके वास्तविक उपयोग किए जाने का लेखा रखेगा और मांग किए जाने पर संबंधित अनुज्ञाति प्राधिकारी को उसे प्रस्तुत करेगा।

(ञ) आयातक अभिरिक्त उत्पाद का आयात, आयात-निर्यात पास बुक में सम्मिलित किए गए आयात अनुज्ञाति के सी आई एक मूल्य के पांच प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

स्पष्ट करण— इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,—

(1) ‘संशोधन अभिकरण’ का वही अर्थ है जो आयात और निर्यात नीति अप्रैल, 1985—मार्च 1988 में है,

(II) ‘माल’ से ऐसा माल अभिप्रेत है जो अंतिम उत्पाद और उनके पैकिंग के विनिर्माण के लिए अपेक्षित कच्ची सामग्री, सघटको मध्यवर्ती उत्पादों या उपभोग योग्य प्रकृत क हा या अंतिम उत्पादों के साथ निर्यात किए जाने वाले आयातक अभिरिक्त उत्पाद हो,

(III) ‘आयात निर्यात पास बुक स्कैम’ से आयात निर्यात नीति अप्रैल, 1985—मार्च, 1988 के अध्याय 14 में अंतर्विष्ट आयात-निर्यात पास बुक स्कीम अभिप्रेत है,

(IV) ‘आयातकर्ता’ के अंतर्गत निर्यात आदेश का धारक भी है,

(V) ‘अनुज्ञापन प्राधिकारी से आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के अधीन बनाए गए आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 के अधीन अनुज्ञाति मजूर करने के लिए मंजूर प्राधिकारी अभिप्रेत है

(VI) आयातक अभिरिक्त उत्पाद’ से अंतिम उत्पादों का ऐसा भाग अभिप्रेत है जो अंतिम उत्पादों के अवशिष्टाव्य हो जाने या पुनर्पूति हो गए भागों के प्रतिस्थापना के प्रयोजन के लिए सुमंगल निर्यात आदेश के अधीन अंतिम उत्पादों के लिए अतिरिक्त उत्पाद के रूप में आवश्यक रूप से प्रवाय किए जाते हैं,

- (7) "निर्मातृ आदेश के आधार पर अभिप्राप्त" से ऐसा माल अभिप्रेत है जो किसी सरणीयत अभिकरण के निर्मातृ आदेश के अधीन या उसके अनुसार अथवा किसी पब्लिक सेक्टर व्यापार और सेवा अभिकरण से प्राप्त किया गया है और जो ऐसा माल हो जिसका उसम अभिकरणों द्वारा आयात किया गया हो और सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अध्याय 9 के अनुसार भंडार किया गया हो;
- (8) "पब्लिक सेक्टर व्यापार या सेवा अभिकरण" का वही अर्थ होगा जो वाणिज्य मंत्रालय मार्चजित सूचना स. 1-आई. टी. सी. (फ. एन.)/85-88 तारीख 12 अप्रैल, 1985 के अधीन प्रकाशित आयात-निर्यात नीति अप्रैल, 1985—मार्च, 1988 में उनका है;
- (9) "निर्मातृ आदेश" से ऐसा निर्मातृ आदेश अभिप्रेत है जो आयात-निर्यात पास बुक स्कीम के अधीन अनुमान प्रधिकारी द्वारा संबंधित सरणीयत अभिकरण या पब्लिक सेक्टर व्यापार और सेवा अभिकरण को पहले से आयात किए गए माल और सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अध्याय 9 के अधीन भंडार किए गए माल के निर्मातृ के लिए जारी किया गया हो।

[फा. सं. 605/89/86-डी. बी. के.]

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 27th March, 1987

## NOTIFICATION

No. 140/1987-CUSTOMS

G.S.R. 331(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 2/1986-Customs, dated the 1st January, 1986, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods when imported into India either directly or obtained against a Release order for the purpose of manufacture of products (hereinafter referred to as the end products) or replenishment of goods used in the manufacture of end products, or both, and for export out of India as mandatory spares along with the end products, for execution of one or more export orders, in accordance with the Import-Export Pass Book Scheme, from the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—

- (a) that the importer has been issued necessary Import-Export Pass Book (incorporating Import Licence) under the said Scheme or both the said Import-Export

Pass Book and Release Order for the import or as the case may be, release of the goods required for the aforesaid purpose;

- (b) that the said imported goods are specified in and are covered by the Import Licence or the enclosures to the Licence, incorporated in the said Import-Export Pass Book or as the case may be, the said imported goods are specified in and covered by the Release Order, in respect of their value and description (including technical characteristics, if any);
- (c) that the importer at the time of the clearance of the said imported goods produces before the Assistant Collector of Customs, the said Import-Export Pass Book and, if necessary, also the Release Order, and the importer—

(i) makes a claim, in writing, to the Collector of Customs for such exemption; and

(ii) produces evidence to the Assistant Collector of Customs that the Bond with Bank Guarantee or, as the case may be, legal agreement has been executed by him as required under the said Scheme; and

(iii) makes a declaration in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs, binding himself to pay on demand in respect of such of the said imported goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used for the aforesaid purpose, an amount equal to the duty which would have been levied on such imported goods but for the exemption contained herein;

- (d) That the said imported goods, after clearance by Customs, are taken direct to the factory of manufacture of the end products to be exported and are duly and immediately entered into the records required to be maintained by the exporter as the manufacturer under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the rules made thereunder, unless he is exempted thereunder from the maintenance of such records.

Provided that where the importer is an Export or Trading House not being a manufacturer, the goods after import are transferred to supporting manufacturer whose name appear in the relevant Import-Export Pass Book for manufacture of end products and that complete accounts are maintained by such importer for the goods imported and transferred to supporting manufacturer;

- (e) that the end products and mandatory spares, as specified in the said Import-Export Pass Book, are exported out of India within the period specified in the said Import-Export Pass Book or within such extended period as the Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports allow;
- (f) that the said imported goods shall be used for the purposes specified in this notification;
- (g) that the said imported goods or any portion thereof shall not be sold or loaned or otherwise transferred to any other persons or utilised or permitted to be utilised or disposed of for any other purpose;
- (h) that the said goods shall be imported only through the Customs port of Kandla or Calcutta or Bombay or Cochin or Madras or Vishakhapatnam or only through the Customs airport at Calcutta or Bombay or Delhi or Madras or Bangalore or only through the inland contained depot at Pragati Maidan at New Delhi or Bangalore Cantonment Railway Station at Bangalore and the end products shall be exported out of India only through any of the said Customs ports; Customs airports or inland container depots;
- (i) that the import of goods for replenishment shall be allowed where the said Import-Export Pass Book holder has to export the end product to meet a delivery schedule before he is able to import under the said Import-Export Pass Book, subject to the condition that such replenishment shall be permitted only to the extent of materials used in the manufacture of end products exported prior to the date of first importation under the Import-Export Pass Book.

Provided that where such goods are imported for replenishment of materials used in the manufacture of end products exported, the holder of Import-Export Pass Book being an exporter who is also a manufacturer may utilise the replenished materials for production of any goods subject to actual user conditions.

Provided further that the licensing authority may consider the request of the holder of Import Export Pass Book being an exporter who is not a manufacturer, for transfer of the replenished materials at landed cost, to the supporting manufacturer concerned, whose name appears in the said Import-Export Pass Book, for production of any goods subject to actual user conditions.

Provided also that goods imported as replenishment shall not be sold or disposed of in any other manner and the said Import Pass Book holder shall maintain an account of imports of such goods and their

actual utilisation and furnish the same to the concerned licensing authority on demand.

- (j) the import of mandatory spares shall not exceed five per cent of the C.I.F. value of the Import Licence incorporated in the Import-Export Pass Book.

**Explanation** —For the purposes of this notification,—

- (i) “Canalising agency” shall have the same meaning as in the Import & Export Policy April 1985—March 1988;
- (ii) “goods” means goods which are in the nature of raw materials, components, intermediate products or consumables required for the manufacture of end products and their packings, or mandatory spares to be exported alongwith the end products;
- (iii) “Import-Export Pass Book Scheme” means the Import-Export Pass Book Scheme contained in Chapter XV of the Import and Export Policy, April, 1985 to March, 1988;
- (iv) “imported” includes holder of a Release Order;
- (v) “Licensing Authority” means an authority competent to grant an Import Licence under the Imports (Control) Order, 1955, made under the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947);
- (vi) “mandatory spares” means parts of the end products which are to be compulsorily supplied as spares to the end products under the relevant export order for the purpose of substitution of invalid or worn out parts of the end products;
- (vii) “obtained against Release Order” means goods obtained under and in accordance with a Release Order from a canalising agency or from a public sector trading and service agency, being the goods which are imported by the said agencies and warehouses in accordance with Chapter IX of the Customs Act 1962 (52 of 1962);
- (viii) “public sector trading or service agency” shall have the same meaning as in the Import & Export Policy April, 1985—March, 1988, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC (PN)/85-88, dated the 12th April, 1985;
- (ix) “Release Order” means a Release Order issued by the Licensing Authority under the Import-Export Pass Book Scheme on the concerned canalising agency or public sector trading and service agency, for the release of goods already imported and warehoused under Chapter IX of the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

## अधिसूचना

## NOTIFICATION

No. 141/87-CUSTOMS

सं. 141/87-सीमाशुल्क

सा. का. नि. 332 (घ) :—केन्द्रीय सरकार, वित्त विधेयक, 1987 के खण्ड 95 के उप खण्ड (4), जो खण्ड अर्न्तविष्ट कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उक्त वित्त विधेयक में की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा अक्षरत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि जोरहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 113-सीमाशुल्क, तारीख 1 मार्च, 1987 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में कम सं. 290 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम सं. और प्रविष्टि प्रस्तुतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“291. अधिसूचना सं. 140 सीमाशुल्क तारीख 27 मार्च, 1987”

[सं 605/89/86-डी. बी. के.]

एस. के. राय, उप सचिव

G.S.R. 332(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-clause (4) of clause 95 of the Finance Bill, 1987, which clause had, by virtue of the declaration made in the said Finance Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 113-Customs, dated the 1st March, 1987, namely :—

In the schedule to the said notification after Sl. No. 290 and entry relating thereto the following Sl. No. and entry shall be inserted, namely :—

291. “Not. No. 140-Customs, dated the 27th March, 1987”

[No. 605/89/86-DBK]

S. K. ROY, Dy. Secy.

